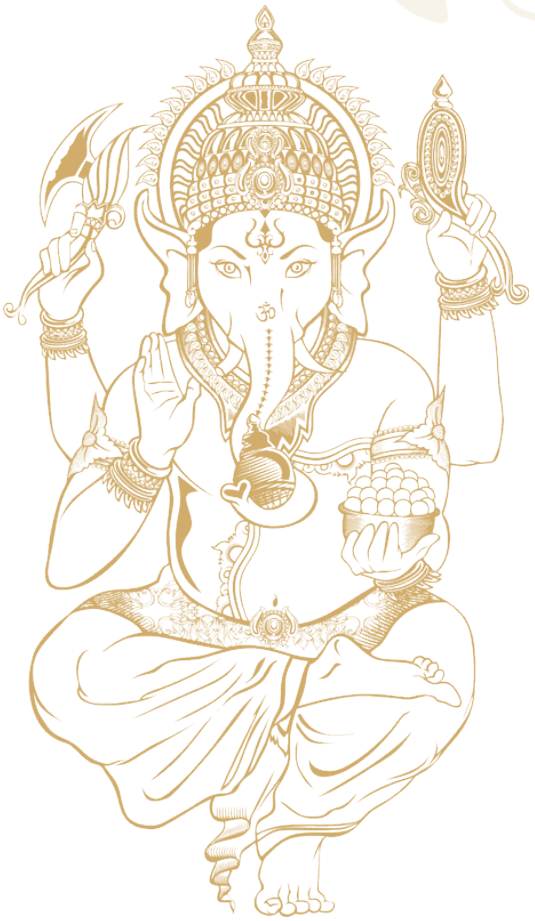

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
30-01/12/2000 :	जन्म तिथि	: 21/10/1992
गुरु-शुक्रवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 00:30:00 :	जन्म समय	: 09:10:00 घंटे
घटी 43:51:20 :	जन्म समय(घटी)	: 06:50:25 घटी
India :	देश	: India
Saharanpur :	स्थान	: Patna
29:58:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:37:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व :	रेखांश	: 85:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48 :	स्थानिक संस्कार	: 00:10:48 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:57:27 :	सूर्योदय	: 05:51:09
17:19:36 :	सूर्यास्त	: 17:16:17
23:51:54 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:45:40

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 0वर्ष 8मा 23दि	20:54:11	सिंह	लग्न	वृश्चि	16:42:26	केतु 6वर्ष 9मा 26दि
राहु	15:01:18	वृश्चि	सूर्य	तुला	04:14:10	चन्द्र
25/08/2018	08:22:23	मक	चंद्र	सिंह	00:20:13	18/08/2025
25/08/2036	22:27:56	कन्या	मंगल	मिथु	25:21:56	18/08/2035
राहु 07/05/2021	01:26:07	वृश्चि	बुध	तुला	25:49:02	चन्द्र 18/06/2026
गुरु 01/10/2023	11:55:03	वृष व	गुरु	कन्या	08:26:49	मंगल 17/01/2027
शनि 07/08/2026	27:13:40	धनु	शुक्र	वृश्चि	07:57:20	राहु 18/07/2028
बुध 23/02/2029	02:43:02	वृष व	शनि	मक	18:04:50	गुरु 17/11/2029
केतु 14/03/2030	22:04:12	मिथु	राहु व	वृश्चि	29:21:49	शनि 18/06/2031
शुक्र 14/03/2033	22:04:12	धनु	केतु व	वृष	29:21:49	बुध 17/11/2032
सूर्य 05/02/2034	23:33:04	मक	हर्ष	धनु	20:37:11	केतु 18/06/2033
चन्द्र 07/08/2035	10:30:44	मक	नेप	धनु	22:34:19	शुक्र 16/02/2035
मंगल 25/08/2036	18:43:26	वृश्चि	प्लूटो	तुला	28:07:49	सूर्य 18/08/2035

लग्न-चलित

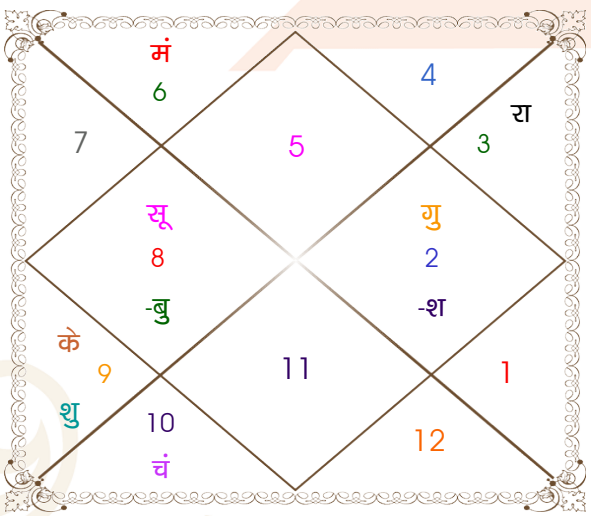

लग्न-चलित

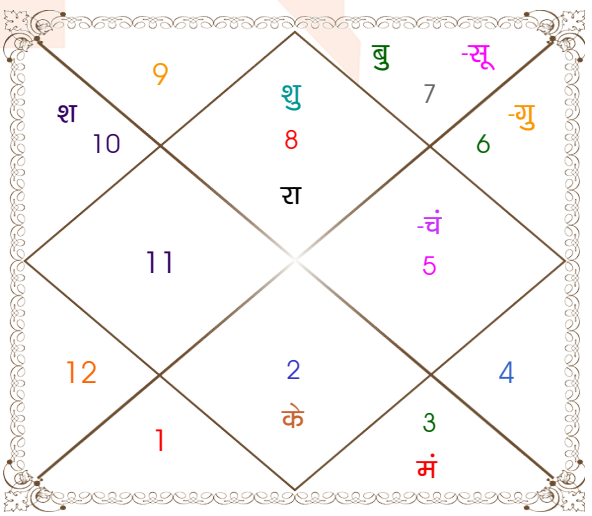

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	2.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।